भागलपुर, मंगलवार, 09 मार्च, 2021 | 14

किशनगंज.

दैनिक भास्कर

नारी शक्ति की बदौलत कायम है अस्तित्व

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन सशक्तीकरण को लेकर जागरूकता पर दिया बल

गाछपाड़ा स्थित मध्य विद्यालय गाछपाड़ा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहत संस्था की संचालिका फरजान बेगम ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2021 का थीम महिला नेतृत्व : कोविड-19 की दुनिया में एक समान भविष्य को प्राप्त करना रखा गया है। इस थीम का मतलब है कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल और श्रमिक आदि के रूप में विश्व भर में महिलाओं के योगदान को रखांकित करती है। वह योगदान डॉक्टर, पुलिस, इंजीनियर, अधिवक्ता और नर्स सहित कई अन्य रुप में हो सकते हैं। आधुनिकता के इस दौर में महिलाएं घरेलू कामकाज करने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर कॅरियर के उच्च शिखर पर पहुंच रहे हैं। इस क्रम में महिलाओं ने संकल्प लिया कि महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी जिम्मेवारी ईमानदारी पूर्वक निभाएंगे। इस दौरान मुख्य रूप से खासमीन प्रवीण, आजाद , एहसान, सोनी देवी आदि मौजूद रहीं।

दैनिक जागरण
भागलपुर, 9 मार्च, 2021 | 5

साक्षर बनें-आत्मनिर्भर बनें, तभी बढ़ेगा सम्मान

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का किया गया आयोजन

भास्कर न्यूज | किशनगंज

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राहत संस्था और आई पार्टनर के संयुक्त तत्वावधान में गाछपाड़ा में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में सैकड़ों महिलाएं और किशोरियां उपस्थित हुईं। डॉ. फरजाना बेगम ने सब को कानूनी जानकारी के साथ सशक्त होने की अपील की। कहा महिलाएं स्वस्थ रहें , साक्षर बनें और खुद को सुरक्षित महसूस करें यह भी बताया कि आत्मनिर्भर बनने के लिए साक्षर होना जरुरी है तभी महिलाएं स्वावलंबी हो पाएंगी। ऐसी महिलाएं जो हिंसा की शिकार हो चुकी हैं कैसे वह हिंसा से बचे इस पर उन्होंने महत्वपूर्ण सुझाव के साथ ही कानूनी जानकारी भी दी। मध्य विद्यालय गाछपाड़ा में आयोजित शिविर में मौजूद निशा देवी ने बताया कि मैं अपने घर में ही हिंसा की शिकार होती रही हूं। खासतौर से मैं अपनी बेटी की शादी कराना नहीं चाहती थी। मैं खुद ही घर में संघर्ष कर रही हूं लेकिन मैं कभी भी बेटी की शादी कम उम्र में नहीं होने दूंगी। अप्सरा खातून बेलवा निवासी ने कहा कि हमारे साथ जो शारीरिक हिंसा हुए हैं जिसके लिए आज भी मैं काफ़ी परेशान रहती हूं। मैं हर लड़कियों को सुरक्षित रहने के लिए अपील करती रहूंगी, जागरुकता फैलाती रहूंगी। मुन्नी परवीन कहती हैं कि तरह तरह से आज भी दोयम दर्जे हमें समझा जाता है।

महिला दिवस पर आयोजित सेमिनार में उपस्थित महिलाएं।

हिन्दुस्तान पूर्णिया • मंगलवार • 09 मार्च 2021 • 04

महिलाएं और सशक्त बनें : डॉ फरजाना

जागरूकता रैली

किशनगंज | हिन्दुस्तान प्रतिनिधि

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर राहत संस्था व आई पार्टनर के सौजन्य से गाछपारा स्थित मध्य विद्यालय में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न जगहों से आई महिलाओं व बच्चियों ने भाग लिया। इससे पूर्व बच्चियों ने महिला दिवस को लेकर जागरुकता रैली निकाल महिलाओं को सशक्त बनने को जागरुक भी किया।

इस मौके पर कार्यक्रम का उद्घाटन करते राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि महिलाएं सशक्त हुई है लेकिन अभी इन्हें और सशक्त होने की जरुरत है। नारी कमजोर नहीं बल्कि शक्ति का नाम नारी है। आज महिलाएं अपने आप को सुरक्षित नहीं महसूस कर रही है। महिलाओं व बच्चियों के सामने सम्मान, सुरक्षा व दहेज जैसी चुनौतियां हैं जिसे समाज से दूर करना जरुरी है। सचिव ने कहा कि लड़कियों का शिक्षित होना भी बहुत जरुरी है। इसलिए बच्चियों को स्कूल भेजने में कोताही न करें। सेमिनार में आई निशा देवी ने कहा कि हमारे परिवार में लोग बाल विवाह को तरजीह देना चाह रहे हैं। लेकिन मैं अपने बच्चों की शादी कम उम्र में नहीं करना चाहती। यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। बेलवा से आई रुबी (काल्पनिक नाम) ने कहा कि मैं प्रेम के चक्कर में फंस कर बर्बाद हो गयी। अब हम समझ चुके हैं कि लड़कियों को कैसे सुरक्षित रखना है। छतर गांव की गुंजा ने कहा कि हमारे आसपास के घरों में जिस तरीके से घरेलू हिंसा होते रहती है इसके कानून की हमें जानकारी नहीं थी। लेकिन अभी जो जानकारी मिली है उस आधार पर हम अन्य महिलाओं को भी बचाने में सक्षम होंगे। मौके पर प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने महिलाओं से आग्रह किया कि अपने बच्चियों को स्कूल जरुर भेजें। पढ़ाई में कमी न होने दें। मौके पर राहत कर्मी यासमीन परवीन, आजाद एहसान, सोनी देवी आदि मौजूद थी।

सोमवार को महिला दिवस पर जागरूकता रैली में शामिल महिला व बच्चे। • हिन्दुस्तान

विधायक ने विस में उठाये कई मुद्दे

फारबिसगंज। फारबिसगंज विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा में स्थानीय अनुमंडलीय अस्पताल की चहारदीवारी सहित ढोलबज्जा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में जलजमाव का मुद्दा उठाते हुए स्वास्थ्य मंत्री से इसके समाधान की मांग की। इस संबंध में विधायक मंचन केशरी ने कहा की स्थानीय अनुमंडल अस्पताल की चहारदीवारी नहीं होने से लोगों द्वारा सरकारी जमीन का अतिक्रमण किया जा रहा है। वहीं बरसात के महीनों में किसकीचिया पंचायत के ढोलबज्जा में बने अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में बरसात के महीनों में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न रहती है। (ए.सं.)

बाल व्यापार महिला हिंसा पर सेमिनार

किशनगंज | संवाददाता

राहत संस्था आई पाटनर इंडिया और जिला पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में मुख्य अतिथि के तौर पर एसपी कुमार आशीष मौजूद थे। इस अवसर पर बाल व्यापार महिला हिंसा महिला व्यापार जैसे मुद्दों पर सेमिनार का आयोजन किया गया।

एसपी कुमार आशीष ने कहा कि जब महिलाएं शिक्षित होगी तो वे समाज में अपना नाम रौशन करेगी। शिक्षित बनकर सब कुछ हासिल किया जा सकता है। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम राहत ने कहा कि आज भी बच्चों और लड़कियों का खरीद उपरोक्त हो रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए वे लगातार काम कर रही हैं। पुलिस भी इसे रोकने के लिए निरंतर प्रयास में जुटी है। मौके पर डीएसपी अजय कुमार झा, एसडीपीओ जावेद अनवर अंसारी, डीएसपी मुकेश ठाकुर, मेजर सुनील कुमार पासवान, सभी थाना प्रभारी, अधिवक्ता पंकज झा मौजूद थे। राहत के कर्मी आजाद माला सिन्हा, यासमीन परवीन, सोनी कुमारी, एमडी आसिफ मौजूद थे।

शुक्रवार को सेमिनार के दौरान मौजूद एसपी व डॉ. फरजाना बेगम। • हिन्दुस्तान

दैनिक भास्कर

भागलपुर | शनिवार, 06 मार्च, 2021 | 17

शिक्षा के दम पर ही खत्म होगी बेरोजगारी और युवाओं का पलायनः आरक्षी अधीक्षक

पुलिस लाइन में बाल व्यापार, महिला हिंसा व उत्पीड़न विषय पर हुई चर्चा

भास्कर न्यूज | किशनगंज

पुलिस लाइन में बाल व महिला व्यापार और उत्पीड़न विषय पर आयोजित सेमिनार में एसपी व अन्य पुलिस अधिकारी रहे। पुलिस-प्रशासन, राहत संस्था आई पार्टनर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को बाल व्यापार, महिला हिंसा व उत्पीड़न विषय पर पुलिस लाइन परिसर में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में इस बात को तवज्जों दी गई कि सीमांचल के इलाके में महिलाओं और बच्चों की हिफाजत हो सके। महिलाएं शिक्षा पाकर आगे बढ़े व स्वावलंबी बन सके। मुख्य अतिथि एसपी कुमार आशीष ने कहा कि यह तभी संभव है, जब सभी लोग मिलकर इसके लिए आगे आएं। शिक्षित बनें। शिक्षा ही सबसे बड़ी पूंजी है। शिक्षा पाकर ही उक्त तमाम सामाजिक बुराइयों को दूर किया जा सकता है। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना

पुलिस लाइन में आयोजित सेमिनार में मौजूद एसपी व अधिकारी।

बेगम ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि आज भी बच्चों, लड़कियों की खरीद फरोख्त हो रहा है। क्षेत्र में बेरोजगारी और पलायन चरम पर है। इसे रोकने के लिए प्रशासन प्रयास कर रहा है यह अच्छी बात है। कई चिह्नित लोगों को सहायता किट दी गई। ताकि वो अपना रोजगार कर सके। कार्यक्रम में डीएसपी अजय झा, डीपीओ अनवर हुसैन, प्रशिक्षु डीएसपी मुकेश कुमार, मेजर सुनील कुमार, राहत संस्था की कर्मी माला सिन्हा, आजाद, यासमीन परवीन, एहसान दानिश, चाइल्ड लाइन के पंकज झा, सोनी कुमारी, आसिफ आदि थे। अध्यक्षता एसपी कुमार आशीष ने की। एसपी ने कहा की बच्चों से संबंधित सूचना लेकर जब चाइल्ड लाइन के सदस्य आएं तो तुरंत उसकी सूचना दर्ज कर सूचना की प्रति उन्हें तत्काल दें। अगर, गुमशुदा बच्चों की सूचना आती है तो 24 घंटों में उसकी प्राथमिकी को अनिवार्य रूप से दर्ज करें व उसे ट्रैक द मिसिंग चाइल्ड पर अपलोड करें। परिचर्चा में पुलिस अधीक्षक, पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय पुलिस उपाधीक्षक, प्रशिक्षक अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सभी थानाध्यक्ष, चाइल्ड लाइन के जिला समन्वयक अधिवक्ता पंकज झा समेत कई अधिकारी, कर्मचारी थे।

छोटे घरेलू विवाद और हिंसा के निपटारे के लिए दूर दराज के इलाकों से फरियादी पहुंचे थे, केंद्र के सदस्यों ने सारी बातों को गंभीरता से सुना

परामर्श केंद्र: कई विवादों का किया गया निपटारा

किशनगंज | सवाददाता

एसपी कार्यालय परिसर स्थित पुलिस परामर्श केंद्र में शनिवार को अलग अलग मामलों में आधा दर्जन आवेदन पड़े। एसपी कुमार आशीष के निर्देश पर छोटे घरेलू विवाद और हिंसा के निपटारे के लिए दूर दराज के इलाकों से फरियादी पहुंचे थे। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम, एसआई सीमा कुमारी की मौजूदगी में विवादों का निपटारा किया गया। दोनों पक्षों की बातों को सुनने के बाद बांड भरा कर सुलह कराने का प्रयास किया। डॉ फरजाना ने कहा कि शनिवार को सात मामले में की सुनवाई की गई। जिनमें अधिकतर मामले पति और पत्नी के बीच गलतफहमी के कारण उत्पन्न हो गए थे। जिसे केंद्र के सदस्यों द्वारा दूर करने का प्रयास किया गया। सात में दो मामले का निपटारा किया गया। वहीं कुछ मामले में एक पक्ष के द्वारा नही पहुंचने के कारण आगे की तिथि निर्धारित की गई। जिसे पुख्ता सबूतों के साथ अगले सप्ताह पुनः आने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर घरेलू हिंसा के निपटारा के लिए समझौता दरबार लगाया जाता है। प्रयास रहता है किसी का घर टूटे नहीं।

जमीनी विवाद को लेकर लगा जनता दरबार

किशनगंज। जमीनी विवाद के निपटारे के लिये जिले के सभी थाना में शनिवार को जनता दरबार लगाया गया। डीएम आदित्य प्रकाश व एसपी कुमार आशीष के निर्देश पर लगाये गए जनता दरबार मे कई मामलों का निपटारा किया गया। वही सदर थाना में भी जनता दरबार का आयोजन किया गया। सीओ समीर कुमार व थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार की मौजूदगी में जनता दरबार लगा था।

शनिवार को परामर्श केंद्र में सुनवाई करते महिला सदस्य।

किशनगंज जागरण

महिलाओं को अपने अधिकार के प्रति होना होगा जागरूक

इंसान कॉलेज में कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करतीं डॉ. फरजाना बेगम • जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : महिलाओं पर होने वाले हिंसा, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, महिलाओं का व्यापार को रोकने के लिए संविधान में कई कानून बनाए गए हैं। इन सब कानूनों की जानकारी महिलाओं को अवश्य होनी चाहिए। ताकि महिलाएं जरूरत पड़ने पर कानून का उपयोग अपने संरक्षण के लिए कर सकें। शनिवार को राहत संस्था की संचालिका डॉ. फरजाना बेगम ने इंसान स्कूल परिसर में 16 डेज एक्टिविटी कार्यक्रम के दौरान उक्त बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, महिला सम्मान और महिला स्वावलंबन के लिए महिलाओं का सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास करना जरूरी है। संविधान के कई प्रावधान विशेष रूप से महिलाओं के लिए बनाए गए हैं। इसके अंतर्गत संविधान के अनुच्छेद 14 में कानूनी समानता, अनुच्छेद 15 (3) में जाति, धर्म, लिंग एवं जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं करना, अनुच्छेउ 16 (1) में लोक सेवाओं में बिना भेदभाव के अवसर की समानता के अधिकार मिले हुए हैं। साथ ही अनुच्छेद 23 व 24 में शोषण के विरुद्ध अधिकार, अनुच्छेद 29 व 30 में शिक्षा एवं संस्कृति का अधिकार, अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों का अधिकार, अनुच्छेद 47 में पोषाहार, जीवन स्तर व लोक स्वास्थ्य में सुधार करना सरकार के दायित्व के साथ कई अन्य अधिकार दिए गए हैं। इन सब अधिकारों के लिए महिलाओं को स्वयं भी जागरूक होने की जरूरत है। लैंगिक हिंसा को रोकने के समाज के सभी वर्गों के लोगों को एकजुट होने की जरूरत है। अगर किसी महिला पर हिंसात्मक घटनाएं होतीं, तो वह पुलिस थाना, महिला थाना, महिला हेल्प लाइन और हेल्प डेस्क पर अपनी समस्याएं रख सकती हैं। जागरुकता कार्यक्रम के अंत में खेल प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, मेंहदी प्रतियोगिता और दौड़ प्रतियोगिता कराए गए। इस दौरान मुख्य रूप से इंसान स्कूल के निदेशक शिफा सैयद हफीज, नप अध्यक्ष हीरा पासवान, शाह जमाल, मु. निहाल अख्तर, यास्मीन प्रवीण, माला, मौका सिंहा, सोनी साजिया, रियाज सहित कई स्कूल की बालिकाएं मौजूद रहीं।

पटना। बुधवार • 2 दिसम्बर • 2020
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasaha

एचआईवी से बचना बेहद जरूरी : श्रीनंदन

■ किशनगंज(एसएनबी)।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल किशनगंज परिसर में राहत संस्था एवं आई पाटनर इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में बोलते हुए सिविल सर्जन डॉक्टर श्रीनंदन ने कहा कि एचआईवी से बचना बेहद जरूरी है। किशनगंज जिला सीमावर्ती जिला है और यहां काफी संख्या में लोग पलायन करते है, उनके बीच जागरूकता लाना आवश्यक है कि कैसे हम एचआईवी से बचें। उन्होने इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी और कहा कि सदर अस्पताल में जितनी भी सुविधाएं है वह प्राप्त कर सकते है।

काउंसलिंग ले सकते है और उचित इलाज भी कर सकते है। उन्होने कहा कि यद्यपि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, फिर भी एड्स प्रभावित व्यक्ति एक सामान्य जीवन जी सकता है। एचआईवी संक्रमित होना जीवन का अंत नहीं है क्योंकि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी सही चिकित्सीय मदद एवं सहयोग से लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकता है। एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी अगर समय से शुरू कर दी जाए तो इस बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके फलस्वरूप शरीर की प्रतिरोधक क्षमता फिर से बढ़ जाती है, बीमारी का बढ़ना बंद हो जाता है एवं अन्य अवसरवादी संक्रमणों के फैलने की आशंका भी घट जाती है। राहत संस्था की सचिव डॉ फरजाना बेगम ने कहा के 16 डेज ऑफ एक्टिविज्म के अंतर्गत यह कार्यक्रम आज आयोजित किया गया है।

सेमिनार में सिविल सर्जन।

राहत संस्था एवं आई पाटनर इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में हुआ सेमिनार

संस्था के द्वारा 25 नवंबर से लेकर 10 दिसंबर तक विभिन्न जगहों पर सेमिनार, खेलकूद प्रतियोगिता, कानून की जानकारी देने का काम कर रही है। उन्होने महिलाओं के प्रति होने वाले हिंसा, बाल विवाह एवं महिला व्यापार के विरुद्ध एकजुट होने का भी आवाहन किया। उन्होने बताया कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की हिंसा की समाप्ति के लिए वि व्यापी अभियान भी चलाया जा रहा है। सेमिनार मे जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ रफत हुसैन, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर हुसैन, डॉ देवेन्द कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक विस्वजित कुमार, डॉक्टर मनोज कुमार, डॉ रीना एवं राहत संस्था के कर्मी मोहम्मद आजाद, यासमीन परवीन, सोनी कुमारी, मोहम्मद निहाल अख्तर संहित अन्य मौजूद थे।

विश्व एड्स दिवस पर निकली जागरूकता रैली

किशनगंज(एसएनबी)। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर गर्ल्स हाई स्कूल किशनगंज परिसर से जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया।

कोविड निर्देशों का पालन करते हुए राहत संस्था किशनगंज और आई पार्टनर इडिया के संयुक्त तत्वाधान में इस रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से लोगों को एड्स के प्रति जागरूकता लाने के लिए संदेश दिया गया। रैली में राहत संस्था की सचिव डॉ फरजाना बेगम, मो निहाल अखतर, राहत संस्था के कर्मी मोहम्मद आजाद, यासमीन परवीन, सोनी कुमारी सहित अन्य भी मौजूद थे।

जागरूकता रैली में छात्राएं व अन्य।

दैनिक जागरण
भागलपुर, 2 दिसंबर, 2020 | 3

किशनगंज जागरण

जागरुकता से ही एड्स से बचाव संभव : सीएस

सदर अस्पताल में जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते सिविल सर्जन डॉ. श्रीनंदन● जागरण

संवाद सहयोगी, किशनगंज : एड्स जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से मंगलवार को सदर अस्पताल से जागरुकता रैली निकाली गई। विश्व एड्स दिवस के मौके पर निकाली गई रैली को सिविल सर्जन डॉ. श्रीनंदन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल एएनएम स्कूल की छात्राओं सहित स्कूली छात्राओं ने शहर के विभिन्न मार्गों का परिभ्रमण किया और नारे लगाते हुए लोगों को जागरुकता का संदेश दिया।

रैली के उपरांत सदर अस्पताल के सभागार में एड्स को लेकर सेमिनार का भी आयोजन किया गया। अपने संबोधन में सिविल सर्जन ने कहा कि अब तक एड्स का पूर्ण इलाज संभव नहीं हो सका है। जागरुकता से ही इस रोग से बचा जा सकता है और दवाइयों और समुचित इलाज से इसे बढ़ने से रोका जा सकता है। आज भी हमारे समाज में एड्स रोग को लेकर कई तरह की भ्रांतियां फैली है। हमें मिलजुल कर इसे दूर करना होगा।

मुहिम

- विश्व एड्स दिवस के अवसर पर निकाली गई जागरुकता रैली
- सिविल सर्जन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को किया रवाना

मौके पर मौजूद राहत संस्था की सचिव फरजाना बेगम ने एड्स के 16 काउज ऑफ एक्टीविटी के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए कहा कि रोग की आशंका होते ही पीड़ित को बेझिझक अपनी जांच करानी चाहिए। समय पर उपचार प्रारंभ होने से इसके संक्रमण को फैलाने से रोका जा सकता है। इस मौके पर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. अनवर हुसैन, डीआइओ डॉ. रफत हुसैन आदि ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।

एड्स का लक्षण दिखते ही शुरू कराएं इलाज

एड्स दिवस

असुरक्षित यौन संबंध से रहें दूर, एड्स प्रभावित लोग अपने अधिकार पहचानें

एड्स से बचाव को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान, लोगों को दी जानकारी

किशनगंज | एक संवाददाता

मंगलवार को जिले में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस दौरान जिला सिविल सर्जन कार्यालय में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा एड्स जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन लोगों को एड्स से बचाव को लेकर जागरूक किया गया।

सिविल सर्जन डॉ श्रीनंदन ने बताया कि एड्स एक लाइलाज बीमारी है जो मानवीय प्रतिरक्षी अपूर्णता विषाणु (एचआईवी) संक्रमण के बाद होती है। एचआईवी संक्रमण के पश्चात मानवीय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। एड्स का पूर्ण रूप से उपचार अभी तक संभव नहीं हो सका है। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में एड्स की पहचान संभावित लक्षणों के दिखने के पश्चात ही हो पाती है। रोग रोकथाम एवं निवारण केंद्र द्वारा एड्स के संभावित लक्षण बताये गए हैं। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति, जो किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित नहीं है, में एड्स के लक्षणों की जांच विशेष रक्त जांच के आधार पर की जा सकती है। एचआईवी संक्रमण का अर्थ यह नहीं है कि वह व्यक्ति एड्स से भी पीड़ित हो। एड्स के लक्षण दिखने में 8 से 10 वर्ष तक का समय लग सकता है। एड्स की पुष्टि चिकित्सकों द्वारा जांच के पश्चात ही की जा सकती है। एचआईवी संक्रमण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को इस हद तक कम कर देता है कि इसके बाद शरीर अन्य संक्रमणों से लड़ पाने में अक्षम हो जाता है। इस प्रकार के संक्रमण को अवसरवादी संक्रमण कहा जाता है क्योंकि ये अवसर पाकर कमजोर हो रहे प्रतिरक्षा प्रणाली पर हावी हो जाते हैं जो बाद में एक बीमारी का रूप ग्रहण कर लेती है। एड्स प्रभावित लोगों में हुए कई संक्रमण, जो गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं या जानलेवा हो सकते हैं। जागरूकता कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ श्रीनंदन, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ रफत हुसैन, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर हुसैन, डॉ देवेन्द्र कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक विश्वजीत कुमार, राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम सहित कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

मंगलवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली को रवाना करते सीएस डॉ. श्रीनंदन । • हिन्दुस्तान

मंगलवार को विश्व एड्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद राहत संस्था की सचिव ।

लक्षण दिखते ही शुरू कराएं इलाज

सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ अनवर हुसैन ने बताया, एड्स छुआछूत बीमारी नहीं है। इसलिए, पीड़ित व्यक्ति के साथ किसी प्रकार का अनावश्यक भेदभाव नहीं करें। यह हाथ मिलाने, साथ उठने-बैठने, कपड़े आदान-प्रदान करने से नहीं होता है। बल्कि, असुरक्षित शारीरिक संबंध, खून के आदान-प्रदान समेत अन्य प्रकार के संपर्क होने से होता है। साथ ही साथ किसी भी व्यक्ति को एड्स का लक्षण दिखे या महसूस हो तो तुरंत उन्हें चिकित्सकों से जांच कराकर इलाज शुरू करना चाहिए। साथ ही चिकित्सा परामर्श का पालन करना करना जरूरी है। ताकि परिवार के अन्य लोग इन बीमारियों के दायरे से दूर रह सके और पीड़ित व्यक्ति का भी समय पर इलाज शुरू हो सके।

जागरूकता से एड्स पर लगेगा लगाम

किशनगंज। आज विश्व एड्स दिवस के अवसर पर सदर अस्पताल परिसर में राहत संस्था आई पाटनर इंडिया और राहत संस्था सदर अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में सेमिनार का आयोजन सिविल सर्जन डॉक्टर श्री नंदन की अध्यक्षता में हुआ। सीएम डॉक्टर श्री नंदन ने कहा कि एचआईवी की रोकथाम के लिए जागरुकता जरुरी है। राहत संस्था की सचिव डॉ फरजाना बेगम ने कहा के 16 डेज ऑफ एक्टिविज्म के अंतर्गत यह कार्यक्रम किया गया। राहत संस्था 25 नवंबर से लेकर 10 दिसंबर तक विभिन्न जगहों पर सेमिनार, खेल प्रतियोगिता कानून की जानकारी देने का काम करती आ रही है।

एचआईवी संक्रमित होना जीवन का अंत नहीं

किशनगंज | एक संवाददाता

सिविल सर्जन डॉ श्रीनंदन ने बताया यद्यपि एड्स एक लाइलाज बीमारी है, फिर भी एड्स प्रभावित व्यक्ति एक सामान्य जीवन जी सकता है। एचआईवी संक्रमित होना जीवन का अंत नहीं है क्योंकि एचआईवी संक्रमित व्यक्ति भी सही चिकित्सीय मदद एवं सहयोग से लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकता है। एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी अगर समय से शुरू कर दी जाए तो इस बीमारी के प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसके फलस्वरूप शरीर की प्रतिरोधक क्षमता फिर से बढ़ जाती है, बीमारी का बढ़ना बंद हो जाता है एवं अन्य अवसरवादी संक्रमणों के फैलने की आशंका भी घट जाती है। इस तरह एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी एड्स के प्रभाव को कम करने में मदद करता है। अतः एचआईवी/एड्स प्रभावित व्यक्ति भी स्वस्थ एवं दीर्घजीवन जी सकता है।

03 हिन्दुस्तान
पूर्णिया • बुधवार • 02 दिसंबर 2020

मानवाधिकार को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

किशनगंज | संवाददाता

महिलाओं के मानवाधिकार के लिए चलाये जा रहे विश्वव्यापी अभियान के तहत राहत संस्था और आइपार्टनर इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में सोमवार को किशनगंज में भी जिले के अलग-अलग पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसका मुख्य उद्देश्य बाल विवाह मानव व्यापार लैंगिक हिंसा के प्रति स्थानीय समुदाय में जागरूकता लाना और समानता के नजरिए से सभी को एक साथ देखना है। 16 डेज ऑफ़ एक्टिविज्म के तहत उक्त कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को गाछपाड़ा के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम के दौरान राहत संस्था की सचिव डॉक्टर फरजाना बेगम ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सजग हो खुद जगें और औरों को जगाएं इसके लिए महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता है। आए दिन महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा से लेकर यौनिक हिंसा तक के मामला काफी ज्यादा हो रहे हैं। इससे महिलाएं काफी परेशान हैं और उनके हक की बातें की जा रही है ताकि वह अपने हक को समझे और जाने। राहत संस्था की सचिव डॉ. फरजाना बेगम ने कहा हमारा मकसद है सब महिला खुद जागरूक हो और स्वयं अपने अधिकार को जाने औरों को भी अधिकार के प्रति प्रेरित करें। रूपेश कुमार झा ने कहा कि शिक्षा के प्रति जागरूकता आवश्यकता है अगर महिला शिक्षित होंगी तो पूरा परिवार शिक्षित होगा।

अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का समर्थन करती महिलाएं।

सुदूर ग्रामीण इलाकों के जमीनी स्तर पर विकास की स्थिति को जांच कर आम लोगों तक योजना का संपूर्ण लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश के द्वारा विभागीय निर्देश अनुसार जिले के 21 पंचायतों का औचक निरीक्षण किया गया।

—— एक रिपोर्ट

पटना। मंगलवार • 1 दिसम्बर • 2020 | राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के विरुद्ध एकजुट होने की आवश्यकता है : फरजाना

■ किशनगंज(एसएनबी)।

महिलाओं के मानवाधिकार के लिए एक विश्वव्यापी अभियान का आयोजन 1991 से आरंभ हुआ 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक पूरे वि व में अलग-अलग संगठनों के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किए जाते है। इसी क्रम में राहत संस्था और आई पार्टनर इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यह है कि बाल विवाह मानव व्यापार लैंगिक हिंसा के प्रति स्थानीय समुदाय में जागरूकता हो और समानता के नजरिए से सब को देखें बच्चों में महिलाओं के प्रति हिंसा के खिलाफ कार्य होने एवं प्रभावी रणनीतियां विकास हो दुनिया भर में महिलाओं एकजुटता का प्रदर्शन यह दिखाता है। 16 डेज ऑफ एक्टिविज्म के तहत यह कार्यक्रम का आयोजन पंचायत के उत्क्रमित मध्य विद्यालय में सरपंच मोहम्मद जफर आलम, शिक्षक अरशद फारूकी, नूर उल हक, रूपेश कुमार झा, मोहम्मद महफूज रहमान प्रधानाध्यापक के मौजूदगी में आयोजन किया गया। इस अवसर पर राहत संस्था की सचिव फरजाना बेगम ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सजग हो खुद जगह और औरों को जगाएं महिलाओं के प्रति होने वाली हिंसा के खिलाफ एकजुट होने की आवश्यकता है आए दिन महिलाओं के साथ घरेलू हिंसा से लेकर यौनिक हिंसा तक के मामला काफी ज्यादा हो रहे है इससे महिलाएं काफी परेशान है और उनके हक और हुकूक की बातें की जा रही है ताकि वह अपने हक को समझे

मेहंदी प्रतियोगिता में महिलाएं व अन्य।

और जाने। उन्होने कहा कि हमारा मकसद है कि सब महिला खुद जागरूक हो और स्वयं अपने अधिकार को जाने औरों को भी अधिकार के प्रति प्रेरित करें। रूपेश कुमार झा ने अब संबोधन में यह कहा कि शिक्षा के प्रति जागरूकता आवश्यकता है अगर महिला शिक्षित होंगी तो पूरा परिवार शिक्षित होगा। सरपंच जफर आलम ने कहा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं आज भी पीछे है धीरे-धीरे वह आगे आ रही है लेकिन और भी आत्मनिर्भर होने की आवश्यकता है।

नूर उल हक ने कहा कि लड़कियां किसी से कम नहीं है अभी स्कू ना काल में स्कूल तो बंद है कॉलेज बंद है लेकिन फिर भी शिक्षा के प्रति जागरुक होने की बेहद जरूरत है। मोहम्मद महफूज उर रहमान प्रधानाध्यापक ने कहा कि हर महिला और पुरुष को अधिकार है शिक्षा प्राप्त करना और अपने हक और हुकूक को जानना। आज के कार्यक्रम में खेल प्रतियोगिता के तौर पर भी आयोजन किया गया। इस दौरान मेहंदी कंपटीशन, पेंटिंग प्रतियोगिता, क्विज कंपटीशन, मटकी फोड़ में वैसी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया जो बिल्कुल घर में रहती है। इन खेल में भी हिस्सा लिया ताकि उनके अंदर वह आत्मनिर्भर होने के लिए आत्मबल होने के लिए कीमत होने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया ताकि वह अपने आप को खत्म कर सकें। इस दौरान उन्हें कानून की जानकारी दी गई ताकि अपने हक को जाने और कभी भी समस्या पैदा होने पर वह अपने आप को समझ सके और वह अपनी हिफाजत कर सके। साथ ही खुद को बच्चे और औरों को बचाएं। इस कार्यक्रम में कर्मी मोहम्मद आजाद एहसान, यासमीन परवीन, राहत के प्रोजेक्ट डायरेक्टर निहाल अख्तर मौजूद थे।

हिन्दुस्तान 04
पूर्णिया • सोमवार • 08 जून 2020 •

जरूरतमंदों के बीच सामग्री वितरित

मदद

किशनगंज | एक प्रतिनिधि

कोरोना वायरस कोविड-19 से बचाव के लिए लॉकडाउन में फंसे प्रवासियों के घर पहुंचने पर कई लोगों में रोजगार के अभाव में जहां अपना व परिवार के बीच खाने-पीने की समस्या खड़ी हो गई है। वही प्रशासन व सामाजिक संगठन आगे बढ़ कर प्रवासी एवं अन्य जरूरतमंदों के बीच राशन व अन्य जरूरत की सामान का वितरण किया जा रहा है।

वहीं जिले में महिलाओं के उत्थान के क्षेत्र में कार्य कर रही राहत संस्था भी बढ़चढ़ कर जरूरतमंदों की मदद कर रही है। इसी क्रम में रविवार को राहत संस्था और नई दिल्ली के कासा ने प्रवासी मजदूर व अन्य जरूरतमंद परिवारों में राशन का वितरण इंजीनियर असलम अलीग, मो. नेहाल अख्तर के हाथों वितरण किया गया। राहत संस्था की संचालिका डॉ. फरजाना बेगम ने कहा कि राहत संस्था महिलाओं की उत्थान के साथ-साथ जरूरतमंदों की सेवा में तत्पर रहती है। लॉक डाउन के दौरान 2 हजार से अधिक जरुरतमंद लोगों के बीच राहत सामग्री उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से राहत संस्था, महिला सशक्तिकरण, महिला उत्थान व रोजगार के लिए व सामाजिक कार्य मे कार्य कर रही है।

राहत संस्था की सचिव डाक्टर फरजाना बेगम ने कहा कि किसी भी समाज के विकास का सीधा संबंध उस समाज की महिलाओं के विकास से जुड़ा होता है।

रविवार को जरुरतमंद लोगों के बीच राहत सामग्री बांटते लोग।